Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1) w.e.f. 2024-25

Duration and Class Schedule

- The duration of this course is One Year with two semesters. Each semester will consist 12-15 weeks of academic work equivalent to 90 actual Lectures, Tutorials, Practical Work, Field Work, Project Work, , Assignments, Presentation etc. or a combination of some of these.
- Weekly Schedule: 4 sessions of one hour online.

Academic Eligibility:

Bachelor degree in any subject with 45% marks (42.75% marks for SC/ST candidates of Haryana only) in aggregate.

Number of Seats: 20 seats

Seat Allocation as per State Govt. Reservation Rules:

Sr. No.	**Name of Programme**	**Break up of seats as per State Govt. Reservation Policy**								**No. of Sanctioned seats**
		AIO	**HOGC**	**SC**		**BC (A)**	**BC (B)**	**DA/PwD /PH / ESM /DFF**	**EWS**	
				SC	**Deprived SC**					
1	Post Graduate Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (PGDSDDA)	3	8	2	1	2	2	1	1	20

Scheme of Examination for Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1) 1st Sem. w.e.f. 2024-25											
Sr. No.	Paper Code	Nomenclature	Theory marks	Internal Assessment	Practical	Total marks	Credit			Credit total	Exam time
							L	T	P		
1	24HNDD101DS01	भारतीय समाज और संस्कृति	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
2	24HNDD101DS02	संस्कृति, साहित्य और मीडिया	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
3	24HNDD101DS03	साहित्य और धर्म	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
4	24HNDD101DS04	**भारतीय दर्शन एवं ज्ञान परंपरा**	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
5	24HNDD101DS05	भाषाई दक्षता	70	30	--	100	3	1		4	3Hr.
6	24HNDD101DS06	परियोजना कार्य			--	100##				4#	3 Hr.
Scheme of Examination for Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1) 2nd Sem. w.e.f. 2024-25											
1	24HNDD102DS01	साहित्य और दर्शन	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
2	24HNDD102DS02	भारतीय कलाओं का इतिहास	70	30	--	100	3	1		4	3 Hr.
3	24HNDD102DS03	भारतीय मूल्य, परंपरा और साहित्य	70	30	--	100	3	1		4	3Hr.
4	24HNDD102DS04	भक्ति आन्दोलन और हिंदी साहित्य	70	30	--	100	3	1		4	3Hr.
5	24HNDD102DS05	**ब्लॉग लेखन**	70	30	--	100	3	1		4	3Hr.
6	24HNDD102DS06	परियोजना कार्य	-	-	-	100##	-	-	-	4#	-

Semerster - 1:		Semerster - 2:	
Credit(04)	**Marks	Credit(04)	**Marks
	60 (Dissertation)		60 (Dissertation)
	40 (Viva-Voce)		40 (Viva-Voce)

(मौखिकी की परीक्षा स्नातकोतर अध्ययन समिति से पारित बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी)

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD101DS01
Couse Name	भारतीय समाज और संस्कृति	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives:

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।
- भारतीय दर्शन और धर्म की विरासत से परिचित कराना।
- भारतीय साहित्य एवं कला की परम्परा तथा धरोहर से अवगत कराना।
- भारतीय जनमानस एवं भारतीय भाषाओं के अंतर्सम्बधों की पडताल करना।

Learning outcomes:

- भारत की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- छात्रों में भारतीय समाज की संरचना और मूल्य व्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- भारतीय धर्म दर्शन और कलाओं की विरासत से छात्र परिचित होंगे।
- भारत के भाषिक वैविध्य, ज्ञान एवं सौन्दर्य की परम्परा से विद्यार्थी परिचित होंगे।

Unit 1 भारतीय समाज (12.5 घंटे)

- भारतीय समाज का स्वरुप
- भारतीय समाज की मूल्य-व्यवस्था, पारिवारिक, राष्ट्रीय और मानवीय
- भारतीय समाज की चुनौतियां एवं संभावनाएं

Unit II**भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति** (12.5 घंटे)

- धर्म से अभिप्राय, स्वरुप, परंपराएं, विस्तार और प्रमुख तत्व
- दर्शन की अवधारणा, परंपरा और भारत के प्रमुख दर्शन
- भारतीय संस्कृति का अर्थ, स्वरुप, परिभाषा, प्रमुख तत्व और इतिहास

Unit III**भाषा के प्रमुख दर्शन, साहित्य और कलाएँ** (12.5 घंटे)

- भाषा और प्रमुख भारतीय भाषाओ का संक्षिप्त परिचय
- "महाभारत" और "रामचरितमानस" का सामान्य परिचय
- भारत की प्रमुख कलाएं : वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत कला, नृत्य कला और गायन कला ।

Unit IV**संचार की भारतीय परम्परा** (12.5 घंटे)

- लोकगीत, लोककथा
- लोक नृत्य, लोक नाटय
- पारम्परिक भारतीय जनसंचार (पर्व, मेलें, नुक्कड नाटक, कठपुतली, राग–रागनियाँ, सांग आदि)

Practical component (25 hours)

भारतीय धर्म और दर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों पर रिपोर्ट लेखन

- किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिपोर्टिगं
- किसी लोकनाट्य का मंचन और समीक्षात्मक लेखन
- भारतीय समाज की किसी समस्या पर समाधानपरक मौलिक लेख लिखना
- चयनित विषयों पर समूह चर्चा और परियोजना कार्य
- प्रमुख कालजयी रचनाओं की प्रासंगिता पर लेखन एवं समूह चर्चा
- लोकनाट्य के रुप में रामलीला और रासलीला कासमाज पर पडने वाले प्रभाव का सर्वेक्षण एवं लेखन

Essential/recommended readings

- संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी
- भारतबोध का नया समय प्रो0 संजय द्विवेदी, यश प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय कला एवं संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन
- लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा0 लि0, इलाहाबाद
- मानव मूल्य और साहित्य धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
- संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
- बुद्धिस्ट कम्यूनिकेशन थ्योरी – एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्यूनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन
- को–कल्चरल थ्योरी – एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्यूनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD101DS02
Couse Name	संस्कृति, साहित्य और मीडिया	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives

- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया की आपसी समझ विकसित करना।
- भूमंडलीकरण के पश्चात मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दो संबंधी मीडिया कवरेज का अध्ययन कराना।
- विभिन्न भारतीय परिवेश, कल्चर, सता, एवं राजनीति की समझ पैदा करना।

Learning outcomes:

- भारतीय पत्रकारिता के परिवेश की समझ विकसित होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगें।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों के प्रति समझ विकसित होगी।
- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया के अंतर्संबधों की समझ विकसित होगी।

UNIT – । संस्कृति अर्थ व अवधारणा

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति

- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

UNIT - II **प्रिंट मीडिया और साहित्य**

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अन्तर्संबंध
- हिंदी पत्र–पत्रिकाओं में साहित्य की स्थिति
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों का परिचय

UNIT - III **हिन्दी मीडिया और संस्कृति**

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- मीडिया का बाजार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

UNIT- IV इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और साहित्य

- रेडियो और टेलीविजन के साहित्य आधारित कार्यक्रम
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- साहित्यिक ई–पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट्स

Practical component

लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा

साहित्य आधारित किसी टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा

हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य

फिल्म पूरब पश्चिम, मदर इंडिया, परदेश, मशाल, पेज–श्री, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी आदि का समीक्षात्मक विश्लेषण

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडारी
4. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन
5. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
6. मीडिया में सामाजिक लोकतंत्र की तलाश, श्यौराज सिंह बेचैन, अनामिका प्रकाशन

7. संस्कृति, जनसंचार और बाजार, नन्द भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD101DS03
Couse Name	साहित्य और धर्म	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives

- भारतीय धर्म और संस्कृति के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालना
- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना
- भारतीय धर्म की विरासत से अवगत कराना
- भक्ति के विभिन्न रुपों से अवगत कराना

Learning outcomes:

- भारत की धार्मिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी
- धर्म एवं संस्कृति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा
- धर्म एवं संस्कृति की विरासत से परिचित होंगें

Unit I - धर्म : परिभाषा, अर्थ एवं स्त्रोत (12.5 घंटे)

- महाभारत : धार्मिक विरासत
- महाभारत : काव्य और इतिहास
- महाभारत की शिक्षाएँ एवं प्रेरणाएँ
- भारतीय साहित्य और कलाएं (लोक, शास्त्रीय और समकालीन कलाएं)

- Unit II **रामचरितमानस : काव्य और इतिहास** (12.5 घंटे)

- रामचरितमानस और रामकथा की परम्परा, स्वरुप और प्रकार
- रामकथा की प्रेरक अंतर्कथाएँ और प्रयोजन

Unit III **भक्ति की अवधारणा** (12.5 घंटे)

- भक्ति की अवधारणा और स्वरुप
- भक्ति आंदोलन और इतिहास
- भक्ति के प्रकार और सामाजिक अवदान

Unit IV **साहित्य मेंकर्म,मोक्ष एवं निर्वाण की अवधारणा** (12.5 घंटे)

- संत साहित्य में मोक्ष की अवधारणा
- हिंदी साहित्य में कर्म की अवधारणा और उसका स्वरुप
- योग के विविध रुप और हिंदी साहित्य

Practical component (25 hours)

- धर्म की जानकारी के लिए धार्मिक तीर्थ स्थलों के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- कर्मयोग पर आधारित रिपार्ट प्रस्तुत करना
- अर्थ की जानकारी के लिए व्यावसायिक क्षेंत्रों के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- शास्त्र पुराण के आधार पर मोक्ष एवं निर्वाण का विश्लेषण करना
- भक्तिकालीन साहित्य के माध्यम से भक्ति के विविध रुपों पर प्रकाश डालना

Essential/recommended readings

- धर्म –दर्शन की रुपरेखा, डा0 हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
- धर्म –दर्शन, ऋषि कान्त पाण्डेय
- धर्म –दर्शन सामान्य एवं तुलनात्मक, डा0 रमेन्द्र
- भारतीय संस्कृति : धर्म और दर्शन, डा0 शशि शर्मा, डा0 सुषमा देवी
- प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन, डा0 शिवस्वरुप सहाय
- धर्म और समाज, डा0 राधाकृष्णन

भारतीय ज्ञान परंपरा

Course Code	24HNDD101DS04	**Course Credits**	4(L:T:P:)
Max. Marks	100(External (term-end exam)-70 (Internal -30)	**Time of end term examination**	3 Hours

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।

भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।

विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।

विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा

भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम

भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास

भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत संक्षिप्त परिचय

वेद और उपनिषद

पुराण और इतिहास

धर्म–शाख और स्मृति ग्रंथ

रामायण, महाभारत और रामचरितमानस

इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन

प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ

पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा

प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य–दर्शन

नव्य–दर्शन और आधुनिक भारत

स्वामी विवेकानंद नव्य–वेदांत दर्शन और भारत

पंडित दीनदयाल, उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन

श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत–बोध

सहायक ग्रंथों की सूची:

- शुक्ल, रजनीश कुमार, भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, वासुदेवशरण, कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

- द्विवेदी, संजय, भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R-N-; Introduction to Indian Knowledge System: Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
- गुप्ता, बजरंग लाल, पं. दीनदयाल उपाध्याय व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
- दीक्षित, हृदयनारायण, पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज ।
- शेखर, हिमांशु : स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
- चौहान, लालबहादुर सिंह, योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Translation (English-Hindi-English)	**Paper code**	24HNDD101DS05
Couse Name	भाषाई दक्षता	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Course objective

1. विद्यार्थियों की भाषाई कुशलता का विकास
2. व्यावसायिक एवं कार्यालयी हिंदी के सही प्रयोग का विकास
3. विधार्थियों में द्रुतवाचन एवं मौन पठन का विकास

Course Learning outcomes-

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में वृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास

unit 1

भाषाई दक्षता का विकास

भाषाई दक्षता से तात्पर्य

भाषाई दक्षता का महत्व

श्रवण और वाचन

पठन और लेखन

Unit 2

भाषाई दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

भाषाई संरचना की समझ और विकास

भाषा – व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

भाषाई क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3

भाषाई दक्षता का प्रायोगिक पक्ष

भाषाई दक्षता की रणनीति : आंकलन, लक्ष्य निर्धारण, नियोजन के स्तर पर

शब्द–सामर्थ : सामान्य एवं तकनीकी शब्द

सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देशय–केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

भाषाई दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिप्पणी, समूह चर्चा

किसी एक विषय का भाव – विस्तार या पल्लनन

द्रुतवाचन – किसी साहिलिक कृति पर आधारित समीक्षा–पुस्तक–समीक्षा, फिल्म–समीक्षा

सहायक पुस्तकें :

1. भाषाशिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. व्यावसानिक हिंदी – दिलीप सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
5. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी
6. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD101DS06
Couse Name	परियोजना कार्य	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	-
Duration of end term examination	-	**Max marks**	100
मौखिकी की परीक्षा स्नातकोतर अध्ययन समिति से पारित बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी ।			

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD102DS01
Couse Name	साहित्य और दर्शन	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives

- भारतीय दर्शन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालना।
- भारतीयदर्शन की दार्शनिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
- धर्म एवं दर्शन के अंतर्संबंधों से अवगत कराना।
- भारतीय दर्शन की विरासत से अवगत कराना।

Learning outcomes:

- दार्शनिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- धर्म एवं दर्शन के अन्योन्याश्रित संबंध की समझ विकसित होगी।
- भारतीय दर्शन की विरासत से परिचित होंगें।
- भारतीय दर्शन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

Unit 1 भारतीय दर्शन का विकास : सामान्य परिचय (12.5 घंटे)

- दर्शन का अर्थ एवं परिभाषा
- दर्शन उद्‌भव, परम्परा एवं विकास
- भारतीय दर्शन के विविध आयाम

- भारतीय दर्शन और पाश्चात्य दर्शन का परिचय
- साहित्य में दर्शन की अवधारणा

Unit II साहित्य और दर्शन का अन्तर्सम्बन्ध (12.5 घंटे)

- भारतीय साहित्य में दर्शन की अभिव्यक्ति एवं प्रयोजन
- भारतीय दर्शन और उसकी परंपरा
- भारतीय साहित्य और दर्शन का सम्बन्ध
- विभिन्न प्रमुख रचनाकारों के साहित्य में सन्निहित दर्शनः कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसी, मीरा

Unit III (12.5 घंटे)

- तुलसी – आरंभिक 10 पद (विनय पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर)
- सूरदास – निर्धारित 10 पद (1,2,,3,4,5,7,10,13,14,17), सूरसागर सार, सम्पादक–धीरेन्द्र वर्मा
- कबीर – आरंभिक 10 सांखियां, गुरुदेव कौ अंग, सम्पादक–श्यामसुंदर दास
- मीरा – आरंभिक 10 पद, मीरा मुक्तावली, सम्पादक–नरोत्तमदास

Unit IV (12.5 घंटे)

- महाकाव्य 'कामायनी'– जयशंकर प्रसाद (आशा और श्रद्वा सर्ग)
- राम की शक्तिपूजा – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

Practical component (25 hours)

- भारतीय दर्शन की विकास यात्रा पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- भक्तिकालीन रचनाकारों के माध्यम से दर्शन को विश्लेषित करना
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Essential/recommended readings

- भारतीय दर्शन के प्रमाण एवं समालोचनात्मक अध्ययन –जयदेव वेदालंकार, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली
- भारतीय दर्शन – डा0 राधाकृष्णन,
- उपनिषद दर्शन – डा0 विरेन्द्रपाल सिहं
- भारतीय दर्शन का इतिहास – डा0 देवराज , डा0 तिवारी
- भारतीय दर्शन सरल परिचय – देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय
- भारतीय दर्शन की रुपरेखा – एम0 हिरियन्ना, राजकमल प्रकाशन 1965

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD102DS02
Couse Name	भारतीय कलाओं का इतिहास	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives

- भारतीय कलाओं के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालना
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना
- कला और साहित्य के अंतर्संबंधों से अवगत कराना

Learning outcomes:

- भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी
- कला और साहित्य के संबंध की परपंरा से विद्यार्थी परिचित होंगें
- लोक कलाओं की विरासत से विद्यार्थी परिचित होंगें

Unit 1 नाट्यकला और साहित्य (12.5 घंटे)

- नाट्यकला का अर्थ , परिभाषा एवं परम्परा
- भारतीय रंगमंच और साहित्य
- भारतीय रंगमंच में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान

Unit II संगीतकला और साहित्य (12.5 घंटे)

- वैदिक संगीत : सामान्य परिचय
- साहित्य और संगीत का अंतर्सम्बन्ध

- विभिन्न प्रमुख रचनाकारों के साहित्य में सन्निहित संगीत : कबीर, जायसी, प्रसाद और निराला

Unit III **गायनकला और साहित्य** (12.5 घंटे)

- गायनकला : सामान्य परिचय
- साहित्य और गायनकला का अंतर्सम्बन्ध
- हिंदी साहित्य में गायनकला की परम्परा, प्रकार एवं अवदान

Unit IV**चित्रकला और साहित्य** (12.5 घंटे)

- प्राचीन भारतीय साहित्य में चित्रकला के स्त्रोत
- साहित्य और चित्रकला का अंतर्सम्बन्ध
- चित्रकला (पेंटिग, ग्राफिक, टेकसटाल, डिजाइन) आदि

Practical component (25 hours)

- किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाट्य मंचन
- आचार्य भरत और संगीत विषय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- उपरोक्त रचनाकारों के काव्य में संगीतात्मकता पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- राग–रागनियों तथा उनका गायन समय विषय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- चित्रकला पर आधारित समूह चर्चा और परियोजना कार्य

Essential/recommended readings

- भारतीय कला, डा0 राजेश कुमार व्यास
- भारतीय संस्कृति कला एंव विरासत, देवदत पटनायक
- समकालीन भारतीय कला, डा0 ममता चतुर्वेदी
- भारतीय कला एंव संस्कृति : विविध आयाम, डा0 बीना जैन

क्रेडिट – 4
समय – 3 घंटे

कुल अकं – 100
परीक्षा अंक – 70
आंतरिक मूल्याकंन – 30

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD102DS03
Couse Name	भारतीय मूल्य परंपरा और साहित्य	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	4
Duration of end term examination	3 hours	**Max marks**	100

Note :प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Learning Objectives

- भारतीय कलाओं के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालना।
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना।
- कला और साहित्य के अंतर्संबंधों से अवगत कराना।

Learning outcomes:

- भारतीय मूल्य परंपरा और साहित्य की समझ विकसित होगी।
- कला और साहित्य में निहित मूल्यों से विद्यार्थी परिचित होंगें।
- लोक कलाओं की विरासत से विद्यार्थी परिचित होंगें।

Unit 1 भारतीय मूल्य परंपरा और साहित्य (12.5 घंटे)

- भारतीय साहित्य में नीतिकाव्य का उद्भव
- साहित्य में नीति काव्य परंपरा एवं प्रकार
- विभिन्न रचनाकारों के साहित्य में सन्निहित नीतिः कबीर, नानक, दादू, तुलसीदास, रहीम, और बिहारी

Unit II भारतीय भक्ति साहित्य और मूल्य (12.5 घंटे)

- भारतीय भक्ति परंपरा और मानव–मूल्य
- भक्ति साहित्य में मूल्यों की अवधारणा एवं अवदान

- चयनित भक्त कवियों के काव्य में सन्निहित मानव मूल्य–मीरा बाई, सूरदास, तुलसीदास, रैदास

Unit III **भारतीय प्रेम काव्य और मूल्य** (12.5 घंटे)

- भारतीय प्रेम काव्य परंपरा और मूल्य
- भक्तिकालीन प्रेम काव्यों में मूल्य की अवधारणा एवं अवदान
- विभिन्न प्रमुख रचनाकारों के साहित्य में सन्निहित मूल्य : जायसी, घनानन्द

Unit IV **भारतीय स्वातंत्र्य चेतना एवं मूल्य** (12.5 घंटे)

- भारतीय साहित्य में स्वातंत्र्य चेतना की अवधारणा एवं मूल्य
- भारतीय साहित्य में स्वातंत्र्य चेतना की परंपरा और प्रकार
- विभिन्न प्रमुख रचनाकारों के साहित्य में सन्निहित स्वातंत्र्य चेतना एवं मूल्य : मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिहं दिनकर एवं सुभद्रा कुमारी चौहान

Practical component (25 hours)

- उपरोक्त कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव–मूल्यों के आधार पर परियोजना कार्य
- उपरोक्त कवियों में से किसी एक रचनाकार के माध्यम से प्रेम काव्य पर रिपार्ट प्रस्तुत करना
- जीवन में मानव मूल्यों की अनुपालना पर सर्वेक्षण और साक्षात्कार पद्धति के माध्यम से रिपार्ट प्रस्तुत करना
- उपरोक्त कवियों में से किसी एक रचनाकार के माध्यम से स्वातंत्र्य पर रिपार्ट प्रस्तुत करना

Essential/recommended readings

- भारतीय कला, डा0 राजेश कुमार व्यास
- भारतीय संस्कृति कला एंव विरासत, देवदत पदनायक
- समकालीन भारतीय कला, डा0 ममता चतुर्वेदी
- भारतीय कला एंव संस्कृति : विविध आयाम, डा0 बीना जैन

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

भक्ति–आंदोलन और हिंदी साहित्य

Course Code	24HNDD102DS04	**Course Credits**	4(L:T:P:)
Max. Marks	100(External (term-end exam)-70 (Internal -30)	**Time of end term examination**	3 Hours

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
भक्ति आंदोलन के उद्‌भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
भक्ति–आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति–आंदोलन से परिचित होंगे।
भक्ति–आंदोलन के उद्‌भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
भक्ति–आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भक्ति–आंदोलन उद्‌भव और विकास

भक्ति का स्वरूप
भक्ति–आंदोलन की पृष्ठभूमि
भक्ति–आंदोलन उद्‌भव संबंधी अवधारणाएँ
भक्ति–आंदोलन की विकास–यात्रा

इकाई 2 : भक्ति–आंदोलन का दार्शनिक पक्ष

उपनिषद्
श्रीमद्‌भागवत पुराण और भगवद्‌गीता
वेदांत दर्शन
प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

इकाई 3 : भक्ति–आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा

निर्गुण भक्ति का स्वरूप
संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
सूफी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

इकाई 4 : भक्ति–आंदोलन और सगुण काव्यधारा

सगुण भक्ति का स्वरूप
राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)

कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

सहायक ग्रंथों की सूचीः

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक), हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक), हिंदी साहित्य कोश (भाग–1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक), कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज ।
9. तुलसीदास, गोस्वामी, दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर ।

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name of Program	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Program Code**	24HNDD102DS05
Name of the Course	**ब्लॉग लेखन**	**Course Code**	DPBS1
Hours per Week	**3**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Note:
प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से विधार्थी को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रश्न 16 अंक का होगा तथा छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Course Learning Outcomes (CLO):

1. ब्लॉग लेखन और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉग लेखन के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक समझ विकसित होगी।

Unit 1 ब्लॉगलेखन : अवधारणा

ब्लॉग का स्वरूप
ब्लॉग लेखन का विकास
ब्लॉग लेखनः भाषा, समाज और संस्कृति

ब्लॉग लेखन का प्रभाव

Unit 2: ब्लॉग लेखन : व्यक्ति और समाज
ब्लॉग लेखन और व्यक्ति रचनात्मकता
ब्लॉग लेखन और सामाजिक रचनात्मकता
ब्लॉग लेखन और जनभागीदारी
ब्लॉग लेखन और सोशल मीडिया

Unit 3 ब्लॉग लेखन के प्रकार
साहित्यिक–सांस्कृतिक
राजनीतिक–सामाजिक
शिक्षा–मीडिया
खेलकूद एवं अन्य

Unit 4: ब्लॉग निर्माण
भाषा एवं संरचना
ब्लॉग निर्माण की प्रक्रिया
किसी विशिष्ट विषय पर ब्लॉग लेखन

References1. 1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
2. इंटरनेट जर्नलिजम–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन, जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन, भारत ।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास, रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

Diploma in Bhartiya Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)

Name	Diploma in Sanskriti : Dharm, Darshan and Adhyatam (DPBS1)	**Paper code**	24HNDD102DS06
Couse Name	परियोजना कार्य	**Course code**	DPBS1
Credit	4	**No. of hours/weeks**	-
Duration of end term examination	-	**Max marks**	100
मौखिकी की परीक्षा स्नातकोतर अध्ययन समिति से पारित बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी ।			

किसी एक अनुशासन / विषय पर लघु शोध प्रंबन्ध

- भारतीय दर्शन और साहित्य
- भारतीय भक्ति परंपरा और साहित्य
- भारतीय साहित्य में मूल्य–परंपरा
- भारतीय कलाओं की साहित्यिक अभिव्यक्ति
- भारतीय धर्म परंपरा और साहित्य
- भारतीय संस्कृति और साहित्य
- स्वातंत्र्य चेतना और हिंदी साहित्य
- भारतीय योग परंपरा